



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 15, 1990/पौष 25, 1911

[No. 21] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 15, 1990/PAUSA 25, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे यह यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

लिख संग्रहालय

(राजस्थान विभाग)

प्रधिकारी

सं. 127, दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1990

का० आ० 42(अ):—केन्द्रीय अर्थात् स्वर्ण (नियन्त्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की
धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह दिवार करने द्वारा दिसा करना जनहित में प्रादृ-
श्यक और गमीचीम है, भारत के राजपत्र अमाध्याच्छा, नं० १०१-१९९०-१९९६ में प्रकाशित भारत गृहालय के
विश्व संवाद (राजस्थान विभाग) की प्रधिकारी, दं० १०० दो० ७०९(अ) में दिनांकित दस्तावेज़ है।

उक्त अधिसूचना में “आपने माँ भाई अब्दा आपने पुत्र अध्यक्ष अपनी पुत्री” शब्दों के स्थान पर निम्न-निर्दिष्ट शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् :—

‘आपने पति या पत्नी, भाऊ, भाऊ, भाई भाई, भाइया या पुत्री’।

[अधिसूचना नं 1/90-जी मी/एस० नं 131/20/86-जी मी]

क्र० ज० र० र०, दूसरा गतिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th December, 1989

S.O. 12 (E) :- In exercise of the powers conferred by section 161 of the Gold (Control) Act, 1968 (15 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) S.O. 798 (E) published in the Gazette of India, Extraordinary dated 30-10-1986 :

In the said notification, for the words “real brother or his son or his daughter”, the following words shall be substituted, namely :—

“Spouse, father, mother, real brother, real sister, son or daughter”.

[Notification No. 1/90-GC/F, No. 131/20/86-GC]

K. J. REDDY, Addl. Secy.